विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

MALAVIYA MISSION SCHEME TEACHER'S TRAINING PROGRAMME

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल
KENDRIYA HINDI SHIKSHAN MANDAL

यूजीसी – मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

ऑनलाइन · बहुविषयक संकाय संवर्धन कार्यक्रम

भारतीय भाषा, साहित्य एवं लोक में ज्ञान परंपरा

अवधि / DATES
14 – 19 दिसंबर 2026
ऑनलाइन माध्यम

समय / TIME
10:30 पूर्वाह्न – 5:00 सायं
प्रतिदिन 04 सत्र

पंजीकरण की अंतिम तिथि
12 दिसंबर 2026
mmc.ugc.ac.in पर

कार्यक्रम के उद्देश्य

- भारतीय भाषाओं, साहित्य एवं लोक संस्कृति में निहित प्राचीन एवं पारंपरिक ज्ञान परंपरा का समग्र अध्ययन।
- विभिन्न भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंधों और उनमें संरक्षित बहुविषयक ज्ञान संपदा को समझना।
- लोक साहित्य, वाचिक परंपराओं और लोक कलाओं में विद्यमान जीवन-मूल्यों एवं दर्शन का विश्लेषण।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षण एवं शोध से जोड़ना।
- भारतीय साहित्य एवं लोक परंपरा में निहित वैज्ञानिक, पर्यावरणीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना का मूल्यांकन।
- बहुविषयक दृष्टिकोण से भारतीय भाषाओं एवं लोक विद्याओं में शिक्षण तथा शोध की नई संभावनाओं को बढ़ावा देना।
- प्रतिभागियों में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन, मौलिक लेखन एवं नवाचार की क्षमता का विकास।

प्रमुख उपविषय — 16 उपविषय

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा, स्वरूप और ऐतिहासिक विकास
- भारतीय भाषाओं की अंतर्संबंधिता और साझा सांस्कृतिक विरासत
- वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में ज्ञान परंपरा
- मध्यकालीन भक्ति एवं संत साहित्य में लोक चेतना और जीवन-दर्शन
- लोक साहित्य एवं वाचिक परंपराओं में संरक्षित देशज ज्ञान
- भारतीय लोक कलाएँ, पर्व-त्योहार और सांस्कृतिक मूल्य
- जनजातीय भाषाएँ, साहित्य और उनका पारंपरिक ज्ञान तंत्र
- भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दृष्टि
- भारतीय भाषाओं में विज्ञान, गणित, आयुर्वेद एवं योग की परंपरा
- लोक कथाओं, लोकोक्तियों एवं लोकगीतों में समाज, इतिहास और नीतिशास्त्र
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली
- अनुवाद की परंपरा और भारतीय साहित्य में ज्ञान का आदान-प्रदान
- डिजिटल युग में लोक साहित्य, पांडुलिपियों एवं पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण
- भारतीय दर्शन, सौंदर्यशास्त्र और काव्यशास्त्रीय परंपरा
- बहुविषयक शोध में भारतीय भाषाओं और लोक विद्याओं की भूमिका
- वैश्विक परिदृश्य में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता, चुनौतियाँ एवं अवसर

नोट: यह बहुविषयक संकाय संवर्धन कार्यक्रम पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा। पंजीकृत एवं चयनित प्रतिभागियों को कार्यक्रम से जुड़ने का लिंक ईमेल तथा व्हाट्सएप समूह के माध्यम से पूर्व में ही साझा कर दिया जाएगा। प्रमाण-पत्र प्राप्ति हेतु कार्यक्रम के सभी सत्रों में प्रतिभागियों की सक्रिय उपस्थिति एवं मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

HOW TO REGISTER

पंजीकरण प्रक्रिया वीडियो में देखें तथा पंजीकरण हेतु QR कोड स्कैन करें।
रजिस्ट्रेशन लिंक
mmc.ugc.ac.in

JOIN WHATSAPP GROUP

अपडेट एवं सूचनाओं हेतु QR कोड स्कैन करके समूह से जुड़ें।

आयोजन समिति एवं पदाधिकारी



संरक्षक
प्रो. हरि शंकर
निदेशक, के.हिं. संस्थान



कार्यक्रम निदेशक
प्रो. धनजी प्रसाद



सहायक निदेशक
डॉ. रणजीत भारती



सहायक निदेशक (तकनीकी)
डॉ. मयंक त्रिपाठी



कार्यक्रम संयोजक
डॉ. परमान सिंह

CONTACT US | +91 93680 50690 | +91 98101 84399 | mmttpkhsagra@gmail.com | mmttp@khs.ac.in